

तेजाजी महाराज के मेले में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

बिजयनगर, (निस)। तेजा चौक स्थित लोक देवता तेजाजी महाराज के थान पर प्रति काल और दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

लोक देवता वीर तेजाजी महाराज के दर्शनों के लिए पहुंचे आसपास के ग्रामीण क्षेत्र सहित शहरी क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने दुख, खींच, घुरमे का थोग चढ़ाया। श्रद्धालुओं ने नरियल फूलमाला अपवाही चढ़ाकर दर्शन करते हुए सुख समृद्धि की कामना की। मेले की पूर्व संध्या पर तेजाजी महाराज के थान पर तेजाजी महाराज की ज्योत शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। गुरुवार रात्रि को तेजा चौक में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें योगी मूर्यजुलक गुण व्यावर के लोक कलाकारों एवं प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजनों के अनुत्तियों दी गई तेजाजी की थान पर जट छापवास बल्ल ग्राम मार्मी समाज नाडी मोहल्ला इंडस्ट्रियल परियां द्वारा परिपथात रूप से झड़ा चढ़ाया गया। थान के थोपुलिस की सूचना दी। जानकारी मिलते ही एसआई गिरधारीलाल मथय जापा मैके पर पहुंचे और दोनों से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि युवक अजय परमार तथा उन्हें मौसी के भाई बहन बताते थे।

भाई बहन ने सरोवर में कूदकर आत्महत्या का किया प्रयास



एसआई गिरधारीलाल मथय जापा मैके पर पहुंचे और दोनों से पूछताछ की।

दोनों का मानसिक संतुलन सही नहीं होने के कारण प्रतिवर्ष सरोवर में कूदकर दोनों ने आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि युवक अजय परमार पुरुष स्वभावी हाई उम्र 29 वर्ष गोकुल नगर

मामले की जानकारी गुजरात पुलिस को दी दी गई है। पुलिस ने दोनों के घर बालों को सूचना दें। दोनों को लेने के लिए गुजरात से पुलिस पुणे बुलाया गया है।

खेत पर रखवाली करते समय किसान की तबीयत बिगड़ी

आसोंद, (निस)। बदौर थाने के अंतर्गत एक काशकर की खेत पर खेत पर रखवाली करते समय तबीयत बिगड़ गई।

जिसको आसोंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉकर्टों ने खेत की घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम कर्ता

आसोंद, (निस)। आसोंद के निकटवर्यांग्राम बरना गांव में गौशक्ष के लिए नाच लाया गया जहां डॉकर्टों ने खेत की घोषित कर दिया।

बदौर पुलिस ने बताया कि मनमन्तर तथा युवती के लिए उन्होंने खेत की रखवाली करने गया शाम को जो वापस घर पर नहीं आया अवरिजन और ग्रामीण जन खेत पर गए जो खेत पर बने मकान पर अंतर अस्थाय में मिला स्थान पर निशान एवं जोत लेकर गये।

इसके बाद बदौर में बरना से 3 किलोमीटर पैदल चलकर सैकड़ों कि संख्या में ग्रामीण ठिकरिया खेंडा तेजाजी महाराज के मृतक मदन लाल ढोंगी की पती सीता जी महाराज के मंदिर पहुंचे। वहां पर समस्त ग्राम वासीयों के द्वारा घर पर सम्मान एवं खाली हाथ द्वारा जोत की घोषित किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक मदन लाल ढोंगी की पती सीता जी महाराज के मंदिर पहुंचे। वहां पर इसके तीन लड़के एवं रेशं चंद्र 18 वर्षीय, सोनू ढोंगी 12 वर्षीय टीनू बालोंको पर पहाड़ दूर गया।

तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

तेजाजी की ध्वजा एवं ज्योत यात्रा निकाली



बरना गांव में वीर तेजाजी महाराज की 92 1 वीं जन्मजन्मनी के उपलक्ष में ध्वज (निशान) एवं ज्योत यात्रा निकाली।

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सेवन तीन सैकड़ों की संख्या जाट लगावर के लिए विवरण किया। तेजाजी महाराज के थान पर निशान (ध्वज) चढ़ाया जोत को मन्दिर

में रखा। इसके बाद सभी ने खीर और पुणी का प्रसाद ग्रहण क